5.5 Journal Entries

जर्नल प्रविष्टियाँ

जब साझेदारी फर्म स्वेच्छा से अथवा कानूनी बाध्यताओं के कारण या दिवालिया होने के कारण फर्म के व्यवसाय को बन्द करना पड़ता है तो फर्म के अन्दर विभिन्न प्रकार के खातों को बन्द कर दिया जाता है साथ ही सभी प्रकार की सम्पत्ति को बेचकर विभिन्न प्रकार के खर्चों एवं दायित्वों का भुगतान किया जाता है तथा राशि उपलब्ध रहने पर साझेदारों के बीच पूँजी अनुपात में बाँट कर भुगतान किया जाता है, यदि किसी साझेदार के पूँजी खाते का डेबिट शेष निकलता है तो उसे अरिरिक्त राशि अपनी व्यक्तिगत सम्पत्ति से लाकर पूँजी के कमी को पूरा करना पड़ता है। इन सब बातों के समाधान हेतु विभिन्न प्रकार के जर्नल के लेखे किए जाते हैं जो निम्नलिखित हैं:—

(1) विभिन्न प्रकार की सम्पत्तियों के खातों को बन्द करने के लिए (For Closing the Accounts of Various Assets) — चिट्ठे की वास्तविक सभी सम्पत्तियों को उनके पुस्तकीय मूल्य पर (at book value) Realisation Account में हस्तान्तरण किया जाता है:—

Realisation Account	**Dr**	**- - -**
To Buildings A/c		**- - -**
To Plant and Machinery A/c		**- - -**
To Furniture and Fixture A/c		**- - -**
To Investments A/c		**- - -**
To Debtors A/c		**- - -**
To Bills Receivable A/c		**- - -**
To Stock A/c		**- - -**
To Goodwill A/c		**- - -**

(Being transfer of sundry assets to Realisation A/c)

Note:- **(A). Ballance Sheet** के सम्पत्ति पक्ष की निम्नांकित मदें **Realisation A/c** में हस्तान्तरित **Transfer** नहीं की जाती हैं, जैसेः–

1. **Cash in Hand** रोकड़
2. **Cash at Bank** बैंक में नकद
3. कृत्रिम सम्पत्तियाँ **Fictitious Assets,** जैसे– **Preliminary Expences (Advertiesment, Suspence A/c)** आदि।
4. **Dabit Balance of Profit & Loss A/c** लाभ हानि खाते के डेबिट शेष।

(B). जिन सम्पत्तियों में प्रावधान या संचिति **(Provision or Reserve)** की राशि का उल्लेख हो, वैसी सम्पत्ति या सम्पत्तियों को सकल मूल्य **(Gross Figure)** पर हस्तान्तरण करना चाहिए, न कि शुद्ध मूल्य पर। **Reserve for Doubtfull Debts** को दायित्वों के साथ हस्तान्तरित करना चाहिए।

उदाहरणस्वरूपः यदि चिट्ठे के आन्तरिक भाग में देनदार 20,000 रूपये हो तो और इस संबंध में संचिति 2,000 रूपये हो तो देनदारों का हस्तान्तरण 20,000 रूपये से ही किया जाएगा तथा 2,000 रूपये को संदिग्घ ऋणों के लिए प्रावधान **Realisation A/c** के क्डिट पक्ष में दायित्वों के साथ हस्तान्तरित किया जाएगा।

(C). कृत्रिम सम्पत्तियाँ जैसे – संचित हानियाँ, स्थगित व्यय यथा विज्ञापन व्यय, उचन्त खाता, प्रारंभिक व्यय आदि को वसूली खाता में हस्तान्तरित नहीं किया जाता है। इसे सीधे साझेदारों के पूँजी खाते में लाभ–हानि विभाजन के अनुपात में हस्तान्तरित किया जाता है, जिसके लिए निम्न प्रविष्ट की जाती हैः–

Partners' Capital A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Advertisement Suspence A/c		**- - -**
To Profit & Loss A/c (Debit Balance)		**- - -**

(Being transfer of fictitious assets to Partners' Capital A/c)

(2) विभिन्न प्रकार की दायित्व के खातों को बन्द करने के लिए **(For Closing Accounts of Various Liabilities)** *– तीसरे पक्षकारों* **(Third Parties)** *से संबंधित अथवा वाह्य दायित्वों* **(Outside Liabilities)** *के खातों को बन्द करने के लिए उनके पुस्तकीय मूल्य* **(Book Value)** *पर* **Realisation Account** *में हस्तान्तरित किया जाएगाः–*

Sundry Liabilities A/c	**(Dr)**	**- - -**
Sundry Creditors A/c	**(Dr)**	**- - -**
Bills Payble A/c	**(Dr)**	**- - -**
Bank Loan A/c	**(Dr)**	**- - -**
Loan A/c	**(Dr)**	**- - -**
Partner's Wife Loan A/c	**(Dr)**	**- - -**
T0 Realisation A/c		**- - -**

(Being various liabilities transferred to Realisation A/c)

Note:- **Ballance Sheet** के दायित्व पक्ष में दर्शाए गए **(i) Capitals, (ii) Reserve Fund, (iii) Profit and Loss Balance (Credit), (iv) Undistributed Profit** को वसूली खाते **(Realisation A/c)** में हस्तान्तरित नहीं किया जाता है।

(3) यदि प्रश्न में सम्पत्तियों के विरूद्ध प्रावधान तथा संचिति दिया हो तो उसे **Realisation A/c** *में हस्तान्तरण करने के लिए निम्न लेखे किए जाते हैं:–*

Reserve or Privision for Doubtful Debts A/c	**(Dr)**	**- - -**
Investment Fluctuation Fund A/c	**(Dr)**	**- - -**
Provision for Depreciation A/c	**(Dr)**	**- - -**
Joint Life Policy Fund A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Realisation A/c		**- - -**

(Being various apecific reserve and funds transferred to Realisation A/c)

Note:- **Investment Fluctuation Fund Joint Life Policy Fund** को वसूली खाते में हस्तान्तरित न कर इसे सीधे सभी साझेदारों के पूँजी खाते में लाभ–हानि विभाजन अनुपात में जमा किया जा सकता है।

(4) ख्याति सहित लिखित एवं अलिखित सभी प्रकार की सम्पत्तियों के बिक्री या वसूली के लिए निम्नलिखित लेखे किए जाते हैं:–

(।) जब सम्पत्तियों की बिक्री नकद में की जाती हो:–

Cash / Bank A/c **(Dr)** - - -

To Realisation A/c - - -

(Being assets relised)

(।।) जब साझेदार या साझेदारों के द्वारा सम्पत्तियाँ ली जाएः–

Partners' Capital or Current A/c **(Dr)** - - -

To Realisation A/c - - -

(Being assets taken over by partners)

(।।।) जब किसी सम्पत्ति को किसी दायित्व के भुगतान के लिए दे दिया जाता है तो इस स्थिति में जर्नल की प्रविष्टि नहीं की जाती है।

(5) (।) दायित्वों का नकद में भुगतान या निपटान करने के लिएः–

Realisation A/c **(Dr)** - - - **(With the actual amount)**

To Bank/Cash A/c - - -

(Being payment of liabilities)

Note:- **Actual** राशि से आशय है कि सेटलमेंट में दायित्वों के भुगतान में जो राशि चुकायी जाती है। यदि कटौती पर भुगतान की जाती है तो कटौती की राशि घटा दी जाती है। इसी प्रकार अदत्त खर्चों या अदत्त लेनदारों के भुगतान के संदर्भ में भी की जाती है।

(।।) जब साझेदार या साझेदारों के द्वारा दायित्वों का भुगतान किया जाता है या भुगतान का भार ग्रहण किए जाने के लिएः–

Realisation A/c **(Dr)** - - - **(With agreed value)**

To Partners' Capitals A/c - - -

(Being taking over of liabilities by Partners')

(।।।) जब लेनदार आंशिक रूप से सम्पत्ति तथा आंशिक रूप से नकद राशि भुगतान में स्वीकार करे तो केवल नकद भुगतान की ही प्रविष्टि की जाती हैः–

Note:- (क) जब लेनदार द्वारा स्वीकार की गई सम्पत्ति पूर्ण एवं अन्तिम रूप में हो तो इस हेतु किसी भी प्रकार की प्रविष्टि नहीं की जाती है।

(ख) जब लेनदार द्वारा ली गई सम्पत्ति का मूल्य लेनदार की राशि से अधिक हो तो लेनदार अतिरिक्त मूल्य का भुगतान कर देता है, जिसके लिए निम्न लेखे किए जाते हैं:–

Cash A/c **(Dr)** - - -

To Realisation A/c - - -

(Being exces cash paid by creditors)

(6) सम्पत्ति एवं देनदारों से वसूली एवं विघटन के व्यय के लिए किए जाने वाले लेखे:–

(I) विघटन के व्यय नकद में भुगतान करने पर:–

Realisation A/c **(Dr)** - - -

To Cash / Bank A/c - - -

(Being payment of dissolution expenses)

(II) कभी कभी साझेदारों द्वारा विघटन अथवा सम्पत्तियों की वसूली के लिए एक निश्चित दर से अथवा एकमुश्त रकम कमीशन के रूप दी जाती है तथा व्यवस्था की जाती है कि विघटन या वसूली के समस्त व्यय उस साझेदार द्वारा चुकाये जाएंगे जिनको वसूली के लिए कमीशन दिया जाएगा। ऐसी स्थिति में निम्न लेखे किए जाएंगे:–

Realisation A/c (With amount of commission) **(Dr)** - - -

To Partners' Capital/Current A/c - - -

(Being Partners' Capital/Commission A/cs credited with commission)

Note:- सामान्यतया साझेदारों द्वारा चुकाए गए वसूली व्यय के लिए किसी प्रकार की प्रविष्टि नहीं की जाती है, क्योंकि साझेदार इस प्रकार के खर्चों का भुगतान अपने निजी साधनों से करता है। यही कारण है कि फर्म की पुस्तकों में कोई लेखे नहीं किए जाते हैं। परन्तु जब फर्म के द्वारा साझेदारों को इन खर्चों का भुगतान कर दिया जाता है तो इस राशि से साझेदारों के खाते में इसे डेबिट किया जाएगा। जिसके लेखे निम्न रूप में किए जाएंगे:–

Partners' Capital A/c **(Dr)** - - -

To Cash / Bank A/c - - -

(Being realisation expenseto be born by partner but paid by the firm)

(7) वसूली खाते को बन्द करने पर व्यवसाय से होने वाले लाभ या हानि का पता चलता है। जिसके निम्न लेखे किए जाते हैं:–

(I) वसूली खाते पर लाभ की दशा में ***(in case of profit on realisation A/c)*** *:– यदि* ***Realisation A/c*** *के क्रेडिट* ***(Credit)*** *पक्ष का योग इसके डेबिट* ***(Debit)*** *पक्ष के योग से अधिक हो तो अन्तर की राशि को लाभ* ***(profit)*** *माना जाता है। **Realisation A/c** के डेबिट पक्ष में यह राशि सभी साझेदारों के बीच उनके लाभ–हानि विभाजन अनुपात में बांटकर दिखाई जाती है। जिसके लेखे निम्न प्रकार से होंगे :–*

Realisation A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Partners' Capital/Current A/c		**- - -**

(Being profit on realisation transferred to partners' capital A/cs)

(II) वसूली खाते पर हानि की दशा में ***(in case of loss on realisation A/c)*** *:– यदि **Ralisation A/c** के क्रेडिट पक्ष का योग अधिक हो तो अन्तर की राशि को हानि माना जाता है। इस हानि की राशि को सभी साझेदारों के बीच उनके लाभ–हानी विभाजन अनुपात में बांटकर दिखाई जाती है। जिसके लेखे निम्न प्रकार से होंगे :–*

Partners' Capital/Current A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Realisation A/c		**- - -**

(Being loss on realisation transferred to partners' capital A/cs)

(8) साझेदार के ऋण का भुगतान:– यदि फर्म ने एक या अधिक साझेदारों से ऋण लिया है तो उसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाएगा:–

Partners' Loan A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Cash/Bank A/c		**- - -**

(Being partners' loan paid off)

*(9) फर्म के अवितरित लाभ/संचित कोष/संचिति को **Realisation A/c** में हस्तान्तरित नहीं किया जाता है, बल्कि इन्हें साझेदारों के बीच पूँजी खाते या चालू खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, जिसके लिए निम्न लेखे किए जाते हैं:–*

Profit and Loss A/c	**(Dr)**	**- - -**
Reserve Fund A/c	**(Dr)**	**- - -**
Reserve A/c	**(Dr)**	**- - -**
Workmen's Compansation Fund A/c	**(Dr)**	**- - -**
To Partners' Capital/Current A/cs		**- - -**

(Being transfer of deferent reserve and accumulated profit to Partners' Capital/Current A/cs)

(10) यदि फर्म के अर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति भाग में पूर्व से संचित हानियों अथवा अवितरित हानियों अथवा कृत्रिम सम्पत्ति हो तो उसे भी वसूली खाता में हस्तान्तरित न कर लाभ–हानि विभाजन के अनुपात में साझेदारों के बीच पूँजी खाते या चालू खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, जिसके लिए निम्न लेखे किए जाते हैं:–

Partners' Capital/Current A/cs	**(Dr)**	**- - -**
To Profit and Loss A/c		**- - -**
To Reserve Fund A/c		**- - -**
To Artificial Assets A/c		**- - -**

(Being transfer of undistributed all losses)

(11) अन्त में फर्म के सभी साझेदारों के पूँजी खाते को बन्द करने के लिए:–

(i) यदि किसी साझेदार के पूँजी खाते का क्रेडिट शेष (Credit Balance) निकलता हो (अर्थात् Cr. Side का कुल योग – Dr. Side का कुल योग) तो उस साझेदार को फर्म नकद भुगतान करेगी अर्थात् साझेदारों के पूँजी खाते का शेष नकद में भुगतान किया जाएगा, जिसके लिए निम्न लेखे किए जाऐंगे:–

Partners' Capital/Current A/cs	**(Dr)**	**- - -**
To Cash/Bank A/cs		**- - -**

(Being Payment of the amount finally due to the partners)

(।) यदि किसी साझेदार के पूँजी खाते का डेबिट शेष (Dabit Balance) अर्थात् 'पूँजी की कमी' निकलता हो (अर्थात् Dr. Side का कुल योग – Cr. Side का कुल योग) तो उस साझेदार को अपने पूँजी खाते के 'डेबिट शेष' के बराबर नकद राशि घर से लाने की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थिति में निम्न लेखे किए जाएंगे:–

Cash/Bank A/c **Dr.** **- - -**

To Partners' Capital/Current A/cs **- - -**

(Being amount brought in bypartners to meet capital deficiency)

****